'Utkal Divas' celebrated at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 03-04-2025**

UTKAL DIVAS CELEBRATED

Mahendragarh: The Central University of Haryana recently hosted Utkal Divas-2025, showcasing the rich culture and traditions of Odisha. The event saw the enthusiastic participation of students and staff members. The programme featured mesmerising Odia folk songs, dances and other cultural performances. Various glimpses of Odisha's heritage were presented, highlighting its historical and cultural significance. Vice-Chancellor Tankeshwar Kumar said such events provided a platform to celebrate diversity. Tanmaya Dash, who was the guest of honour, said the rich traditions of Odisha reflected a unique blend of history, art and spirituality. It was heart-warming to see young minds celebrating and preserving the culture with such enthusiasm, he added.

Haryana Tribune Thu, 03 April 2(https://epaper.t

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 03-04-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया उत्कल दिवस

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में उत्कल दिवस (ओडिशा डे) धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री तनम्य दास व मुख्य वक्ता के रूप में श्री जगन्नाथ संस्कृति सुरक्षा अभियान के सचिव श्री अजय राउत की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात ओडिशा राज्य के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. देवेंद्र प्रधान को सभागार में उपस्थित सहभागियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद ओडिशा के राज्य गीत वंदे उत्कल जननी की मधुर प्रस्तुति हुई।

उत्कल दिवस का दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन करते विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार।

प्रो. टंकेशवर कुमार ने सभी को उत्कल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी व गर्व की बात है कि हम विश्वविद्यालय में प्रति वर्ष उत्कल दिवस का आयोजन करते हैं। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों को एक-दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परम्पराओं से रुबरु होने का अवसर प्रदान करता है।

आयोजन में उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री तनम्य दास ने उत्कल दिवस की बधाई देते हुए इस दिवस विशेष के महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ओडिशा की समृद्ध परंपराएं इतिहास, कला और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम हैं। उन्होंने इस आयोजन के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी। इसी क्रम में मुख्य वक्ता श्री अजय राउत ने अपने संबोधन में उत्कल दिवस के अवसर पर ओडिशा की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत के 90 वर्षों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस कालखंड में किस तरह से इस प्रदेश ने देश की प्रगति, विकास व सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्कल दिवस जैसे आयोजन हमारी साझा जड़ों और परंपराओं की याद दिलाते हैं।

उत्कल दिवस आयोजन के अवसर पर उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षक।

इससे पूर्व में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अलेखा सचिदानंद नायक ने एक वृत्तचित्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें ओडिशा के वर्तमान परिदृश्यों को उसके प्राचीन वैभव के साथ दर्शाया गया है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ओड़िशा के पारम्परिक नृत्यों व गीत की प्रस्तुतियों से आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का संचालन संदीप, मुस्कान, अलेख और ईशा वैशाखी ने किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अलेख सचिदानंद ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शोधार्थी नारायण चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. रंजन कुमार साहू, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. अभिरंजन कुमार व डॉ. मुकेश उपाध्याय सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 03-04-2025**

छात्रों ने उत्कल दिवस में दिखाई ओडिशा की संस्कृति की झलक

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उत्कल दिवस मनाया, पारंपरिक नृत्यों व गीतों की प्रस्तुति दी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में उत्कल दिवस (ओडिशा डे) मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ओडिशा के पारंपरिक नृत्यों व गीतों की प्रस्तुति देकर ओडिशा की संस्कृति की झलक दिखाई। कार्यक्रम का संचालन संदीप, मुस्कान, अलेख, ईशा वैशाखी ने किया।

मुख्य संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विशिष्ट अतिथि तनम्य दास व मुख्य वक्ता जगन्नाथ संस्कृति सुरक्षा अभियान के सचिव अजय राउत उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में ओडिशा राज्य के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. देवेंद्र प्रधान को सभागार में उपस्थित सहभागियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद ओडिशा के राज्य गीत वंदे उत्कल जननी की प्रस्तुति हुई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को उत्कल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी व गर्व की बात है कि हम विश्वविद्यालय में प्रति वर्ष उत्कल दिवस का आयोजन करते हैं। यह आयोजन

उत्कल दिवस आयोजन के अवसर पर उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षक। स्रोत: हकेंवि

ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत के 90 वर्षों का किया उल्लेख

विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों को एक-दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परंपराओं से रूबरू होने का अवसर प्रदान करता है।

तनम्य दास ने कहा कि ओडिशा की समृद्ध परंपराएं इतिहास, कला और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम हैं। उन्होंने इस आयोजन के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी। मुख्य वक्ता अजय राउत ने अपने संबोधन में उत्कल दिवस पर ओडिशा की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत के 90 वर्षों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस कालखंड में किस तरह से इस प्रदेश ने देश की प्रगति, विकास व सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में योगदान दिया है। सहायक आचार्य डॉ. अलेखा सचिदानंद नायक ने एक वृत्तचित्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें ओडिशा के वर्तमान परिदृश्यों को उसके प्राचीन वैभव के साथ दर्शाया गया है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अलेख सचिदानंद ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर नारायण चौधरी, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. रंजन कुमार साहू, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. मुकेश उपाध्याय सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 03-04-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया उत्कल दिवस

महेन्द्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में उत्कल दिवस (ओडिशा डे) धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री तनम्य दास व मुख्य वक्ता के रूप में श्री जगन्नाथ संस्कृति सुरक्षा अभियान के सचिव श्री अजय राउत की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात ओडिशा राज्य के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. देवेंद्र प्रधान को सभागार में उपस्थित सहभागियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद ओडिशा के राज्य गीत 'वंदे उत्कल जननी' की मधुर प्रस्तुति हुई। प्रो. टंकेशवर कुमार ने सभी को उत्कल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी व गर्व की बात है कि हम विश्वविद्यालय में प्रति वर्ष उत्कल दिवस का आयोजन करते हैं। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों को एक-दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परम्पराओं से रुबरु होने का अवसर प्रदान करता है। आयोजन में उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री तनम्य दास ने उत्कल दिवस की बधाई देते हुए इस दिवस विशेष के महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ओडिशा की समृद्ध परंपराएं इतिहास, कला और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम हैं। उन्होंने इस आयोजन के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी। इसी क्रम में मुख्य वक्ता श्री अजय राउत ने अपने संबोधन में उत्कल दिवस के अवसर पर ओडिशा की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत के 90 वर्षों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस कालखंड में किस तरह से इस प्रदेश ने देश की प्रगति, विकास व सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्कल दिवस जैसे आयोजन हमारी साझा जड़ों और परंपराओं की याद दिलाते हैं। इससे पूर्व में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अलेखा सचिदानंद नायक ने एक वृत्तचित्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें ओडिशा के वर्तमान परिदृश्यों को उसके प्राचीन वैभव के साथ दर्शाया गया है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ओड़िशा के पारम्परिक नृत्यों व गीत की प्रस्तुतियों से आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का संचालन संदीप, मुस्कान, अलेख और ईशा वैशाखी ने किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अलेख सचिदानंद ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शोधार्थी नारायण चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 03-04-2025**

उत्कल दिवस मनाया

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उत्कल दिवस (ओडिशा डे) उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में तनम्य दास व मुख्य वक्ता के रूप में जगन्ननाथ संस्कृति सुरक्षा अभियान के सचिव अजय राउत की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। वरिष्ठ भाजपा नेता डा. देवेंद्र प्रधान को भी उपस्थित सहभागियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 03-04-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मनाया गया उत्कल दिवस

नारनौल, 2 अप्रैल (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में उत्कल दिवस (ओडिशा डे) धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में तनम्य दास व मुख्य वक्ता के रूप में श्री जगन्नाथ संस्कृति सुरक्षा अभियान के सचिव अजय राउत की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात ओडिशा राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. देवेंद्र प्रधान को सभागार में उपस्थित सहभागियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद ओडिशा के राज्य गीत 'वंदे उत्कल जननी' की मधुर प्रस्तुति हुई। आयोजन में उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री तनम्य दास ने उत्कल दिवस की बधाई देते हुए इस दिवस विशेष के महत्त्व से अवगत कराया। मुख्य वक्ता अजय राउत ने ओडिशा की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत के 90 वर्षों का उल्लेख किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में उत्कल दिवस का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। निस

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 03 April 2025 https://epaper.dainiktribu

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 03-04-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया उत्कल दिवस

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उत्कल दिवस आयोजन का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार तथा कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षक।

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में उत्कल दिवस (ओडिशा डे) धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री तनम्य दास व मुख्य वक्ता के रूप में श्री जगन्नाथ संस्कृति सुरक्षा अभियान के सचिव श्री अजय राउत की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात ओडिशा राज्य के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. देवेंद्र प्रधान को सभागार में उपस्थित सहभागियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद ओडिशा के राज्य गीत 'वंदे उत्कल जननी' की मधुर प्रस्तुति हुई। प्रो. टंकेशवर कुमार ने सभी को उत्कल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी व गर्व की बात है कि हम विश्वविद्यालय में प्रति वर्ष उत्कल दिवस का आयोजन करते हैं। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों को एक-दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परम्पराओं से रुबरु होने का अवसर प्रदान करता है। आयोजन में उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री तनम्य दास ने उत्कल दिवस की बधाई देते हुए इस दिवस विशेष के महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ओडिशा की समृद्ध परंपराएं इतिहास, कला और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम हैं। उन्होंने इस आयोजन के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी। इसी क्रम में मुख्य वक्ता श्री अजय राउत ने अपने संबोधन में उत्कल दिवस के अवसर पर ओडिशा की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत के 90 वर्षों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस कालखंड में किस तरह से इस प्रदेश ने देश की प्रगति, विकास व सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्कल दिवस जैसे आयोजन हमारी साझा जड़ों और परंपराओं की याद दिलाते हैं। इससे पूर्व में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अलेखा सचिदानंद नायक ने एक वृत्तचित्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें ओडिशा के वर्तमान परिदृश्यों को उसके प्राचीन वैभव के साथ दर्शाया गया है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ओड़िशा के पारम्परिक नृत्यों व गीत की प्रस्तुतियों से आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का संचालन संदीप, मुस्कान, अलेख और ईशा वैशाखी ने किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अलेख सचिदानंद ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शोधार्थी नारायण चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. रंजन कुमार साहू, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. अभिरंजन कुमार व डॉ. मुकेश उपाध्याय सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 03-04-2025**

विश्वविद्यालय में मनाया गया उत्कल दिवस

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उत्कल दिवस (ओडिशा डे) धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में तनम्य दास व मुख्य वक्ता के रूप में श्री जगन्नाथ संस्कृति सुरक्षा अभियान के सचिव अजय राउत की गरिमामयी उपस्थिति रही।विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात ओडिशा राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. देवेंद्र प्रधान को सभागार में उपस्थित सहभागियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद ओडिशा के राज्य गीत 'वंदे उत्कल जननी' की मधुर प्रस्तुति हुई। प्रो. टंकेशवर कुमार ने सभी को उत्कल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी व गर्व की बात है कि हम विश्वविद्यालय में प्रति वर्ष उत्कल दिवस का आयोजन करते हैं। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों को एक-दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परम्पराओं से रुबरु होने का अवसर प्रदान करता है। आयोजन में उपस्थित विशिष्ट अतिथि तनम्य दास ने उत्कल दिवस की बधाई देते हुए इस दिवस विशेष के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ओडिशा की समृद्ध परंपराएं इतिहास, कला और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम हैं। उन्होंने इस आयोजन के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी। इसी क्रम में मुख्य वक्ता श्री अजय राउत ने अपने संबोधन में उत्कल दिवस के अवसर पर ओडिशा की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत के 90 वर्षों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस कालखंड में किस तरह से इस प्रदेश ने देश की प्रगति, विकास व सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्कल दिवस जैसे आयोजन हमारी साझा जड़ों और परंपराओं की याद दिलाते हैं।इससे पूर्व में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अलेखा सचिदानंद नायक ने एक वृत्तचित्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पंजाब केसरी
Thu, 03 April 2025
https://mpaper.punjabkesari.com/c/77104071